Nai Dunia (Indore), 20th October 2020, Page-5

ब्रेन ड्रेन के खिलाफ 'स्टे इन इंडिया' अभियान

आइआइटी के दीक्षा समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल ने कही बात

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए हर वर्ष सात-आठ लाख युवा विदेश चले जाते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल ने कहा कि सरकार 'स्टडी इन इंडिया, स्टे इन इंडिया' अभियान के जरिए युवाओं को देश में ही अवसर देकर विकास के काम करने के लिए प्रेरित करेगी। दुनिया के शीर्ष सौ विश्वविद्यालयों को सरकार भारत में ही कैंपस शुरू करने के लिए आमंत्रित कर रही है।

शिक्षा मंत्री ने सोमवार को आइआइटी इंदौर के आठवें वार्षिक दीक्षा समारोह में पासआउट हो रहे विद्यार्थियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विदेश जाने वाले युवाओं के साथ सालाना डेढ़ लाख करोड़ रुपये भी बाहर चले जाते हैं। ये युवा फिर जिंदगीभर किसी दूसरे देश के विकास व अर्थव्यवस्था के लिए काम करते हैं। मंत्री के भाषण के बीच ही तकनीकी परेशानी के चलते उनका कनेक्शन कट गया। कुछ मिनट के लिए समारोह रुक गया।

तकनीकी अवरोध के बाद केंद्रीय मंत्री ने आगे संबोधित करते हुए नेशनल टेक्नोलॉजी फोरम गठित करने का ऐलान किया। साथ ही कहा कि आइआइटी जब तक अपने आसपास के पांच गांवों के विकास के लिए काम न करे, तब तक वह शीर्ष पर पहुंच जाए तो भी उसका कोई अर्थ नहीं। आइआउटी इंदौर का दीक्षा समारोह कोरोना के कारण ऑनलाइन आयोजित हुआ। संस्थान के सिमरोल स्थित कैंपस में मेडल हासिल करने वाले गिनती के विद्यार्थियों के साथ आइआइटी के सीनेट सदस्यों के साथ कार्यवाहक निदेशक प्रो.निलेश जैन, एकेडमिक डीन डॉ.देवेंद्र देशमुख, रजिस्ट्रार सिबा प्रसाद होटा और शिक्षक ही उपस्थित रहे।

बैच के लगभग 400 विद्यार्थियों ने घर बैठकर ऑनलाइन डिग्री हासिल की और समारोह में भागीदारी की। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री डॉ. पोखरियाल ने भी दिल्ली स्थित शिक्षा मंत्रालय से ऑनलाइन दीक्षा भाषण दिया। आइआइटी के चेयरमैन प्रो.दीपक बी फाटक ने दीक्षा समारोह की अध्यक्षता मुंबई से ऑनलाइन जुड़कर की। निदेशक प्रो.जैन ने आइआइटी की उपलब्धियों का ब्योरा दिया। निदेशक ने भी समारोह में रिकॉर्डेड भाषण दिया।

आइआइटी के दीक्षा समारोह में पासआउट विद्यार्थियों के साथ कार्यवाहक निदेशक प्रो. जैन और रजिस्ट्रार सिबा प्रसाद। ● नईदुनिया

गोल्ड मेडलिस्ट नहीं आया

ऑनलाइन दीक्षा समारोह में कुल 412 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। मेडल पाने वाले विद्यार्थियों को संस्थान में बुलाया गया था। सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए स्नातक स्तर पर कंप्यूटर विज्ञान व इंजीनियरिंग के सप्तऋषि घोष को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। हालांकि घोष भी संस्थान में उपस्थित नहीं हुए। आरुषि जैन, खुशबू आहुजा, अगम गुप्ता, शलय गुप्ता और आशुतोष गुप्ता को श्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। दो साल के स्नातकोत्तर कोर्स में सर्वश्रेष्ठ अंकों के लिए श्रीजा तिवारी को बूटी फाउंडेशन का गोल्ड मेडल दिया गया। एमटेक कोर्स में मनीष बडोले, एमएससी में आंचल सक्सेना को रजत पदक दिया गया।